गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 20 | गोरखपुर रविवार 09 नवम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

न्यूज

चोरी के मामले में 30 साल से फरार उप्र के व्यक्ति को मुंबई पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली। पुलिस द्वारा वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 1995 से चोरी के एक मामले में फरार एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बस्ती निवासी द्विजेंद्र कमलप्रसाद दुबे (65) पर चोरी का मामला दर्ज किया गया था और अदालत में उपस्थित न होने के कारण उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया गया था। उन्होंने कहा, विशेष सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी का पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया। 26 अक्टूबर को टीम ने उत्तर प्रदेश के बस्ती, अयोध्या और लखनऊ में तलाशी अभियान चलाया। बाद में आरोपी को मुंबई के ग्रांट रोड क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

ट्रक और कार टक्कर में दो की मौत, चार घायल

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में शनिवार को गुना बाईपास पर ट्रक ने एक कार को टक्कर मार दी, जिससे उत्तर प्रदेश के एक परिवार के दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान शिवलाल शुक्ला (53) और कुंजा शुक्ला (10) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि पिपरोदा गांव के पास क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के सामने हुई ट्रक से टक्कर लगने पर कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में हताहत हुए ये लोग कार से उन्नाव से उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर जा रहे थे। छावनी थाने के प्रभारी निरीक्षक अनूप भार्गव ने पीटीआई-भाषा को बताया, घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जबकि दो गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक भारी वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। भार्गव ने कहा,हमने मामला दर्ज कर वाहन को जब्त कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए तलाश शुरू कर दी गई है।

पुरानी रंजिश में पड़ोसी की हत्या की योजना बना रहे दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका में रंजिशके कारण पड़ोसी की कथित हत्या की योजना बना रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी दीपक उर्फ काला नाटिया (30) और सुबिंदर कुमार उर्फ फगवा (28) के पास से एक पिस्तौल और डाबरी से चोरी किया गया स्कूटर जब्त किया है। पुलिस को 23 सितंबर को सूचना मिली कि दो आदतन अपराधी अवैध हथियार और चोरी के स्कूटी के साथ द्वारका सेक्टर 17 में घूम रहे हैं। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया, द्वारका में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के सामने गोल्फ कोर्स रोड के पास जाल बिछाया गया था। थोडी.देर पीछा करने के बाद रात करीब नौ बजे स्कूटर पर सवार दो लोगों को रोका गया। अधिकारी ने बताया कि तलाशी लेने पर दीपक के पास से एक देशी पिस्तौल बरामद हुई, जबकि स्कूटर जनकपुरी इलाके से चुराया गया था। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान, दीपक ने खुलासा किया कि उसकी अपने एक पड़ोसी से पुरानी दुश्मनी थी और उसने उसे मारने की योजना बनाई थी।

बिहार में अपराधी नहीं, विकास की सरकार चाहिए: योगी

लालटेन की धुंधली रोशनी नहीं, अब एलईडी के उजाले में चमकेगा बिहार: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार के मोतिहारी में एनडीए प्रत्याशी प्रमोद कुमार के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और आरजेडी पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार ने पहले चरण के मतदान में ही यह संकेत दे दिया है कि अब लालटेन की धुंधली रोशनी नहीं, बल्कि एनडीए की एलईडी लाइट में जगमगाता बिहार चाहिए। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को जब परिणाम आएंगे, तो फिर एक बार एनडीए की सुशासन, विकास और सुरक्षा की सरकार बनने जा रही है। बिहार में अपराधी नहीं, विकास की सरकार चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह वही धरती है जिसने माँ जानकी को शरण दी, जिसने मोहनदास करमचंद गांधी को महात्मा बनाया और जिसने भारत को स्वतंत्रता की दिशा दिखाई। सत्याग्रह की यह भूमि राष्ट्र रक्षा के लिए शस्त्र के आग्रह से भी कभी पीछे नहीं हटती। उन्होंने कहा कि यह धरती नालंदा की ज्ञानगंगा की धारा रही है, आचार्य चाणक्य, आर्यभट्ट, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर जैसी विभूतियों की भूमि रही है। उन्होंने कहा कि फिर भी बिहार साक्षरता में पिछड़ गया, यह पाप कांग्रेस और आरजेडी की सरकारों का है। उन्होंने बिहार की मेधा और प्रतिभा का शोषण किया, अपने स्वार्थ के लिए बिहार को पिछड़ा बनाए रखा। सीएम योगी ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में एनडीए की सरकार ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को स्थिरता, सुरक्षा और सुशासन दिया। उन्होंने कहा कि आज बिहार में सड़कों का जाल है, रेल, एयरपोर्ट, इनलैंड वाटरवे और मेट्रो जैसी सुविधाएं हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने काशी से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

पीएम मोदी बोले-यूपी के तीर्थ स्थलों ने बढ़ाया प्रदेश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ

संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री ने बनारस रेलवे स्टेशन से रवाना किया, जबकि दिल्ली-फिरोजपुर, लखनऊ-सहारनपुर और एनार्कुलम-बेंगलुरू वंदे भारत एक्सप्रेस को उन्होंने वर्चुअली झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, एनार्कुलम से केरल के राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और जॉर्ज कुरियन, फिरोजपुर से केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू तथा लखनऊ से उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत भोजपुरी में करते हुए कहा, बाबा विश्वनाथ के ई पावन नगरी में आप सब लोगन के काशी के परिवारजन के हमार प्रणाम। देव दीपावली के बाद आज के दिन भी काशी के विकास पर्व पर आप सबके शुभकामना देत हईं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित देशों की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर रहा है। भारत भी अब तेजी से उसी राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे नेटवर्क, सड़कों और नई व्यवस्थाओं के विस्तार से देश के हर हिस्से में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। पीएम मोदी ने बताया कि देश में अब 160 से अधिक वंदे भारत ट्रेन संचालित हो रही हैं।

बिहार में बदलाव तय, बस वोट चोरी न हो: कन्हैया कुमार का चुनाव आयोग पर बड़ा सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से सिर्फ. दो दिन पहले, कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने शनिवार को विश्वास जताया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन होने वाला है। साथ ही, उन्होंने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं पर भी चिंता जताई। हालाँकि, कुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर चिंता जताई और कहा कि अगर वोट "चोरी" नहीं होते, तो राज्य में सरकार बदल जाती, लेकिन अगर ऐसी प्रथाएँ जारी रहीं, तो मौजूदा सरकार सत्ता में बनी रहेगी। कन्हैया कुमार ने एएनआई से कहा कि इस बार, हम बिहार में बदलाव देखेंगे... वोट चोरी एक बड़ा मुद्दा है। अगर वोट चोरी नहीं हुए, तो सरकार बदल जाएगी, और अगर वोट चोरी हुए, तो वही सरकार चलती रहेगी। चुनाव आयोग को जवाब देना चाहिए कि ब्राजीलियाई मॉडल की पहचान वाले 22 वोट कैसे तैयार किए गए। इस बीच, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि 6 नवंबर को हुए पहले चरण के मतदान के दौरान कई ऐसे मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए जो पीढ़ियों से वोट डालते आ रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने क्या कभी हिमाचल प्रदेश के अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ाई लड़ी है: सुक्खू

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में कांग्रेस और उसके महागठबंधन सहयोगियों की तुलना महाभारत के कौरवों से करने पर भारतीय

जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर पर पलटवार करते हुए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पूछा कि क्या भाजपा ने कभी इस पहाड़ी राज्य के अधिकारों के लिए भी लड़ाई लड़ी है।

राहुल और तेजस्वी सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैं: शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव बिहार के सीमांचल क्षेत्र को घुसपैठियों का अड्डा बनाने पर आमादा हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हर अवैध प्रवासी की पहचान करेगी, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएगी और उन्हें देश से बाहर भेजेगी। पूर्णिया में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाएगा।

उन्होंने कहा, 243 सदस्यीय विधानसभा में राजग 160 से अधिक सीट पर विजय प्राप्त करेगा। गृह मंत्री ने कहा, राज्य का आधा हिस्सा पहले ही कांग्रेस-राजद गठबंधन को बाहर का रास्ता दिखा चुका है। उन्होंने यह बात छह नवंबर को हुए पहले चरण के मतदान का हवाला देते हुए कही। शाह ने कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सीमांचल क्षेत्र को घुसपैठियों का अड्डा बनाने पर तुले हैं।

सम्पादकीय...

आत्मघात की मजबूरी

यह तथ्य हृदयविदारक ही है कि देश में एक साल के दौरान करीब चैदह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। पहली नजर में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? विडंबना यह है कि देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता। शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन तंत्र को अपने परिसर में समता, ममता और सहजता का वातावरण तैयार करना होगा। जहां किसी भी तरह तनाव, मानसिक कष्ट व भेदभाव नजर न आए और कारगर शिकायत निवारण तंत्र विकसित हो। ऐसा न होने पर ही सरस्वती के मंदिरों में तनाव की फसल उग रही है। हमारे नीति-नियंता इस दुखदायी स्थिति पर अंकुश लगाने हेतु किसी तरह की गंभीर पहल करते नजर नहीं आते। यदि गाल बजाने वाले राजनेता कोई कदम उठाने की लोकलुभावनी घोषणा करते भी हैं तो भी जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। घोषणाएं प्रभावी भी होनी चाहिए। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निदेर्शों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। दुखद स्थिति यह भी है कि देश में छात्रों के आत्मघात के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, इसकी पुष्टि खुद राष्ट्रीय अपराध रेकॉर्ड ब्यूरो भी कर रहा है। जो साल 2023 में देश की शिक्षण संस्थाओं में 13,892 छात्रों की मौत को गले लगाने की बात स्वीकार करता है। सबसे दुखद स्थिति यह है कि यह संख्या पिछले एक दशक में पैंसठ प्रतिशत बढ़ी है। वहीं इस आंकड़े की तुलना यदि वर्ष 2019 से करें तो यह वृद्धि चैंतीस फीसदी दर्ज की गई है। जाहिर बात है कि यह वृद्धि छात्रों की मानसिक पीड़ा, हताशा और भविष्य के प्रति निराश होने की स्थिति को ही दशार्ती है। निश्चित रूप से हमारी शिक्षा की विसंगतियां भी इन आत्महत्याओं के मूल में हैं। देश में भाषा व बोर्ड स्तर पर पाठ्यक्रम व शिक्षण की स्थिति में खासा अंतर है। पैसे वालों के बच्चे महंगे स्कूलों में पढ़ते हैं। रही-सही कसर उनके महंगे कोचिंग सेंटरों द्वारा पूरी की जाती है।

राशिफल

मेषः- कोई छोटी बात भी परिवार कें तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नये उत्साह का संचार करेगी। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिब्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे।

बृषभः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राएं करनी होंगी।

मिथुनः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कर्कः- भविष्य के प्रति मन में चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का ठीक डंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी। आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति ध्यान देवें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- छोटी-छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन सगे-संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाएं याद आएंगी।

तुलाः- वक्त के साथ समझौता कर चलने की चेष्टा करें। अपने कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझे और अपने को उसी दिशा की ओर केंद्रित करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

वृश्चिकः- जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंधी से बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं।

धनुः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकरः- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला-जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। घर में खुशहाल स्थिति प्रसन्न रखेगी।

बिहार में सूखा तो यूपी में बहार है

अरविन्द मोहन

एक दौर में नीतीश कुमार देश भर में शराबबंदी की बात करते थे। उनके महिला समर्थन के मिथ में शराबबंदी को भी कारण माना जाता है लेकिन इसे साबित करना आसान नहीं है। इस सवाल पर एनडीए में उनकी साझीदार भाजपा और अन्य दल भी चुप्पी ही साधे हुए हैं। एनडीए के छोटे दलों की छोड़ भी दें तो भाजपा की चुप्पी के पीछे काफी बड़े कारण है। बिहार जाना हो तो सावधान होकर जाइए। बार्डर आते ही आपकी ऐसी तलाशी शुरू होगी कि आप सचमुच में अपमानित महसूस करेंगे। और यह तलाशी भी एक जगह नहीं या एक बार न होकर बार-बार होगी। चुनाव हैं तो यह अभियान बढ़ा है वरना वैसे भी राज्य पुलिस का यह प्रिय काम बन गया है क्योंकि बिहार में शराबबंदी है। चुनाव में भी सौ करोड़ से ज्यादा की जो धर-पकड़ हुई है उसमें शराब और ड्रग्स का हिस्सा अस्सी फीसदी से ज्यादा है जो अन्य राज्यों की तुलना में बहुत अधिक है। वहां नकदी जब्त होने का हिस्सा ज्यादा हुआ करता है और यह तब है जबकि बिहार चुनाव में कोई भी दल शराबबंदी को मुद्दा नहीं बना रहा है। शुरू में प्रशांत किशोर इस मुद्दे को उठाया रहे थे लेकिन लोगों में इसका असर खास न देखकर चुप्पी सी साध ली है। वह नीतीश कुमार और जदयू भी इसे नहीं उठा रहे हैं जो इसे ले आये हैं। एक दौर में नीतीश कुमार देश भर में शराबबंदी की बात करते थे। उनके महिला समर्थन के मिथ में शराबबंदी को भी कारण माना जाता है लेकिन इसे साबित करना आसान नहीं है। इस सवाल पर एनडीए में उनकी साझीदार भाजपा और अन्य दल भी चुप्पी ही साधे हुए हैं। एनडीए के छोटे दलों की छोड़ भी दें तो भाजपा की चुप्पी के पीछे काफी बड़े कारण है। आज वह सिर्फ मुल्क में ही नहीं, देश के अधिकांश राज्यों में शासन कर रही है। शराब ही आज राज्यों की आमदनी का मुख्य स्रोत है और उस पर प्रतिबंध या उसके करों में कमी-बेसी करना पूरी तरह राज्य सरकार के हाथ में है। इस मुद्दे पर नीतीश कुमार सरकार के फैसलों की आलोचना तो आत्मघाती होगा ही, तारीफ भी मुश्किल है। ऐसी हालत में हर जगह उसकी सरकारों को जवाब देना मुश्किल होगा। उसके लोग भी मानते हैं कि शराबबंदी से बिहार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ है तो साथ ही वहां शराब की बिक्री का एक पूरा अवैध नेटवर्क बन गया है और वह हर कहीं शराब उपलब्ध करा देता है। नकली शराब बनाने का धंधा भी चल रहा है। और भाजपा समेत काफी सारे दलों का मानना है कि यह नेटवर्क राजद से जुड़े लोग चलाते हैं। कई बार यह आरोप भी लगता है कि बिहार पुलिस बाकी धंधे छोड़कर शराब पकड़ने और उस बहाने कमाई करने में लगी रहती है। इस चक्कर में पुलिस की सामान्य जिम्मेदारियों का निर्वहन भी ठीक से नहीं होता। बिहार की शराबबंदी से अगर पुलिस वालों का कुछ लाभ-घाटा होगा तो उसके सीमावर्ती प्रदेशों को भी लाभ है और सबसे बड़ी सीमा उत्तर प्रदेश से लगती है। नेपाल और झारखंड का नंबर भी है लेकिन शराब की तस्करी में उत्तर प्रदेश सबसे ऊपर होगा। पकड़ी गई शराब में उसकी सीमा पर जब्त माल का आकार-प्रकार भी इसकी पुष्टि करता है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार के अति व्यावहारिक और 'लाभदायीइ शराब नीति ने जिस तरह से राज्य में शराब की खपत और साथ ही सरकार के खजाने में वृद्धि की है वह चौंकाने वाला है। पिछले वित्त वर्ष में उत्तर प्रदेश को शराब की बिक्री से 51000 करोड़ रुपए का राजस्व मिला जो कि राज्यों के सालाना बजट से ज्यादा है। और भले ही शराब पीने के मामले में उत्तर प्रदेश वाले

अभी पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों और दक्षिण के राज्यों से पीछे हों पर वे जल्दी ही पंजाब, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों को पीछे छोड़ सकते हैं। हमारे मानस में पंजाब ही सबसे ज्यादा शराब खपत करने वाला है लेकिन वास्तविकता में अब वह तेलंगाना के आधे में रह गया है। उत्तर प्रदेश के बारे में भविष्यवाणी करने का आधार उसकी नई शराब नीलामी नीति की व्यावहारिकता, नीतियों में निरन्तरता और शराब के व्यापारियों द्वारा इसे पसंद करना कारण है। उत्तर प्रदेश में शराब की दुकान के लिए आप आनलाइन नीलामी में हिस्सा ले सकते हैं और इस चलते कीमतों में घालमेल की गुंजाइश एकदम कम हो गई है। ऊपर से नीतियों में स्थिरता ने बाहर से आकार प्रदेश में कारोबार करने वालों को निश्चिंत कर दिया है। अब यह सवाल मत उठाइएगा कि एक संन्यासी मुख्यमंत्री यह सब कैसे कर लेते हैं। असल में यह काम नौकरशाही का है और उन्होंने ही बियर और देसी के साथ विदेशी शराब बेचने की दुकानें चलाने की अति-लाभदायक नीति बनाई है। अब इससे प्रदेश के लोगों का क्या लाभ है वह भले विवादास्पद हो लेकिन उससे कोविड पूर्व का 24 हजार करोड़ का राजस्व 51 हजार करोड़ पार कर गया है जो नई शराब नीति डेढ़ साल पहले आई है।

कुछ खास...

धीमी मौत मिल रही है, कोई जिम्मेदार नहीं

पिछले महीने तक जो लोग इस बात की खुशियां मना रहे थे कि सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति देकर हिंदू धर्म की लाज रख ली, अब वही लोग हांफ रहे हैं, सांस लेने में तकलीफ महसूस

कर रहे हैं, नजला-जुकाम का शिकार हो रहे हैं। और वही लोग क्यों इस समय राजधानी दिल्ली गैस चेंबर में तब्दील हो चुकी है, लिहाजा सारे लोग ही इन तमाम बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। बल्कि जानकारों का कहना है कि वायु प्रदूषण केवल सांस संबंधी तकलीफें नहीं देता, इंसान के फेफड़ों, हृदय, गुर्दे सबको क्षतिग्रस्त कर रहा है। मधुमेह, रक्तचाप जैसी बीमारियां जो पहले वंशानुगत या अनियमित जीवनशैली के कारण हुआ करती थीं, अब उसमें भी वायुप्रदूषण ने ही जिम्मेदारी ले ली है। अगर कहा जाए कि वायु प्रदूषण सभी को धीमी मौत दे रहा है, तो गलत नहीं होगा। वैसे भी कई अध्ययनों में कहा गया है कि दिल्ली में रहने वाले लोगों की उम्र 10 साल कम हो रही है, क्योंकि उन पर खराब हवा का असर हो रहा है। हालांकि दिल्ली ही क्या देश के दूसरे राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन हों तो नतीजों में ज्यादा अंतर नहीं आएगा। दिल्ली का वायुप्रदूषण इसलिए चर्चा में आ जाता है क्योंकि देश की राजधानी है तो खबरों में बनी ही रहती है। ऊपर से धुंध और धुएं की जो मोटी चादर यहां के आसमान को ढंक लेती है, वह फौरन दिख जाती है। दूसरे शहरों में जहरीली धुंध नहीं होती, लेकिन वायु में दूसरे हानिकारक तत्व मिले ही होते हैं। बहरहाल, दिल्ली का वायु प्रदूषण इस साल राजनैतिक कारणों से भी चर्चा में है। पिछले साल तक यहां आम आदमी पार्टी की सरकार थी, लिहाजा भाजपा के लिए इसके खिलाफ आवाज उठाना आसान था, यह राजनैतिक मजबूरी भी थी। दिल्ली के साथ लगे हाथ पंजाब सरकार को भी भाजपा निशाने पर लेती थी, क्योंकि वहां भी आप की सरकार है और पराली जलाने को प्रदूषण का बड़ा कारक माना जाता है। लेकिन अब दिल्ली में रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी की तरह काम करने से अधिक फोटो खिंचवाने या चुनाव प्रचार में व्यस्त रहती हैं। कुछ समय पहले रेखा गुप्ता की हाथ में झाड़ू वाली तस्वीर आई थी, जिसे अलग-अलग एंगल से कैमरामेन कवर कर रहे थे। रेखा गुप्ता ने यमुना साफ करने का वादा भी चुनावों में किया था और उसके बाद छठ पूजा के समय बताया कि यमुना नदी साफ हो चुकी है। लेकिन असल में गंदगी वाले झाग को दबाने के लिए उस पर रसायन का छिड़काव हुआ था। इसलिए प्रधानमंत्री की छठपूजा के लिए साफ पानी का अलग तालाब उन्होंने बनवाया, जिसका पदार्फाश आम आदमी पार्टी ने किया तो फिर प्रधानमंत्री छठ पूजा के लिए ही नहीं आए। इसका भरपूर रोना उन्होंने बिहार चुनावों में रोया।

रेखा गुप्ता भी बिहार में कई बार चुनाव प्रचार के लिए पहुंची। इस बीच दिल्ली हांफती रही।अब रेखा गुप्ता ने प्रशासनिक सख्ती का ऐलान किया है कि प्रदूषण को रोकने में कोई ढिलाई न बरती जाए। लेकिन यह आग लगने पर कुआं खोदने वाली बात है। दिल्ली में पहली बार वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार नहीं पहुंचा। पहली बार खतरनाक स्तर पर प्रदूषण की खबरें नहीं आई हैं। यह सालों साल से पेश आ रही समस्या है। अमीरों के लिए इसका समाधान एयर प्यूरीफायर के तौर पर मौजूद है।

सुलक्षणा पंडित की अंतिम यात्रा से सामने आए दिल तोड़ने वाले वीडियोज, अर्थी पर रखे पार्थिव शव से लिपटकर खूब रोया परिवार

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस और गायिका सुलक्षणा पंडित का 6 नवंबर को निधन हो गया। वहीं, आज 7 नवंबर को दिवंगत एक्ट्रेस का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। परिवार और इंडस्ट्री के सितारे नम आंखों के साथ सुलक्षणा को अंतिम विदाई देते नजर आ रहे है। एक्ट्रेस के अंतिम संस्कार से सोशल मीडिया पर दिल तोड़ देने वाले वीडियो सामने आए हैं। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि सुलक्षणा पंडित का शव अर्थी पर रखा है। उनके आस पास उनके करीबी नजर आ रहे हैं। परिवार एक्ट्रेस के पार्थिव शव से लिपट कर खूब रो रहा है। इस वीडियो को देख हर कोई इमोशनल होता नजर आ रहा है और यूजर्स कमेंट सेक्शन पर कमेंट कर दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। दिवंगत सुलक्षणा पंडित के परिवार ने अंतिम संस्कार से जुड़ी जानकारी देते हुए कहा, अत्यंत दुःख के साथ बताना पड़ रहा है कि हमारी प्यारी बहन सुलक्षणा पंडित का 6 नवंबर 2025 को स्वर्गवास हो गया। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार 7 नवंबर 2025 को दोपहर 1.00 बजे पवन हंस श्मशान घाट, विले पार्ले, मुंबई में होगा। 12 जुलाई, 1954 को जन्मी सुलक्षणा संगीत-परिवार से ताल्लुक रखती थीं। उनके चाचा पंडित जसराज महान शास्त्रीय गायक थे। उनकी तीन बहनें और तीन भाई हैं, जिनमें भाई जतिन-ललित प्रसिद्ध संगीतकार बने। सुलक्षणा ने मात्र 9 वर्ष की उम्र से संगीत सीखना शुरू कर दिया था। उन्होंने चलते-चलते, उलझन, अपनापन समेत कई फिल्मों में गाना गाया था। साल 1975 में फिल्म संकल्प का गीत तू ही सागर है तू ही किनारा के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सिंगर का फिल्मफेयर अवार्ड मिला था। वहीं उलझन, संकल्प, राजा, हेराफेरी, संकोच, अपनापन, खानदान और वक्त समेत अनेक फिल्मों में उन्होंने अभिनय भी किया था।

वजन को लेकर सवाल सुन चढ़ा एक्ट्रेस का पारा, दिया करारा जवाब

कहा-बॉडी शेमिंग को मजाक बनाना बंद करें

साउथ एक्ट्रेस गौरी किशन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म अदर्स के प्रमोशन में बिजी हैं। इसी बीच फिल्म के प्रमोशन के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसे लेकर एक्ट्रेस का पारा हाई हो गया। दरअसल, प्रमोशन के दौरान एक पत्रकार ने उनके वजन को लेकर सवाल किया, जिसे लेकर गौरी भड़क गईं और उन्होंने उसी वक्त करारा जवाब देकर पत्रकार की बोलती बंद कर दी। दरअसल, हाल ही में चेन्नई में हुए एक प्रेस इवेंट में गौरी किशन फिल्म के डायरेक्टर अबिन हरिहरन और को-स्टार आदित्य माधवन के साथ मीडिया से बातचीत कर रही थीं, तभी एक पत्रकार ने उनके वजन को लेकर सवाल किया। इसके बाद पूरा माहौल गरमा गया। एक्ट्रेस ने तुरंत कहा- मेरा वजन आपको क्यों परेशान करता है? इसका फिल्म से क्या लेना देना? गौरी ने सख्त लहजे में कहा-हर महिला का शरीर अलग होता है और किसी को भी हमारे शरीर पर कमेंट करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने आगे कहा-मैं किरदारों पर आधारित फिल्में करती हूं, और मेरा काम ही मेरी पहचान है, न कि मेरा बॉडी शेप। जब पत्रकार ने सफाई दी कि वो सिर्फ मजाक कर रहा था, तो गौरी ने तुरंत पलटकर जवाब दिया-मुझे ये मजाक नहीं लगा। बॉडी शेमिंग को मजाक बनाना बंद करें। उन्होंने ये भी कहा कि ये जेंडर बायस का एग्जाम्पल है, क्योंकि ऐसे सवाल मेल एक्टर्स से कभी नहीं पूछे जाते। गौरी का ये जवाब सबको पसंद आया और हर कोई उनकी तारीफ करता दिखा। गौरी किशन का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है और फैंस इस पर खूब रिएक्ट करते नजर आ रहे हैं। सिंगर चिन्मयी श्रीपदा ने लिखा- गौरी ने जो किया वो काबिल-ए-तारीफ है। इतनी कम उम्र में इस तरह की सोच और हिम्मत बहुत बड़ी बात है। वहीं, लोगों ने फिल्म के हीरो आदित्य माधवन और डायरेक्टर की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। बाद में आदित्य ने माफी मांगते हुए पोस्ट शेयर किया- शमेरी चुप्पी का मतलब ये नहीं कि मैं बॉडी शेमिंग को सपोर्ट करता हूं।

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा की जटाधारा ने थ्रिलर जॉनर में बनाया नया मानक

जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत बहुप्रतीक्षित रहस्यमयी थ्रिलर जटाधारा, आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और पूरे देश में धूम मचा रही है। फिल्म देखने वाले दर्शक इसे गहराई से भरी, विजुअली शानदार और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत सिनेमाई अनुभव बता रहे हैं। सुधीर बाबू के दमदार अभिनय और सोनाक्षी सिन्हा की प्रभावशाली, रहस्यमयी अदायगी ने सभी को प्रभावित किया है। सुबह से ही फिल्म के शो में दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी है। फिल्म की रोमांचक कहानी, तांत्रिक तत्वों की प्रामाणिक प्रस्तुति और हैरतअंगेज विजुअल्स ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इसमें भावनाओं, एक्शन और ड्रामा का ऐसा संगम है, जिसने इस जॉनर के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। निर्देशक वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल की बोल्ड स्टोरीटेलिंग और रहस्यमयी दुनिया की बारीकी से रचना की हर जगह सराहना हो रही है। सुधीर बाबू के शक्तिशाली और भावनात्मक प्रदर्शन को दर्शकों ने करियर का बेस्ट परफॉर्मेंस बताया है। उनका किरदार, जो मानव और अलौकिक जगत के बीच फंसा है, दर्शकों के दिल में उतर गया है। वहीं, सोनाक्षी सिन्हा की दमदार उपस्थिति और भावनात्मक गहराई ने कहानी में एक और सशक्त परत जोड़ दी है।सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। लोग जटाधारा को जॉनर-डिफाइनिंग स्पेक्टेकल और हाल के वर्षों के सबसे अनोखे सिनेमाई अनुभवों में से एक बता रहे हैं। फैंस के वीडियो, पोस्ट्स और रिव्यूज फिल्म की आध्यात्मिक ऊर्जा और सिनेमाई भव्यता की तारीफों से भरे पड़े हैं। हर तरफ से आ रहे पॉजिटिव रिव्यूज और माउथ-ऑफ-वर्ड के दम पर जटाधारा ने शानदार ओपनिंग की है। इसकी बेहतरीन सिनेमैटोग्राफी, गहन अभिनय और आध्यात्मिक विषय की सटीक प्रस्तुति दर्शकों को बड़े पर्दे पर खींच रही है। फिल्म में दिव्या खोसला की स्पेशल अपीयरेंस के साथ शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कणकला और शुभलेखा सुधाकर जैसे कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएँ निभाई हैं। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसे उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने प्रोड्यूस किया है। इसके सह-निमार्ता अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा हैं, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भविनी गोस्वामी हैं। जी म्यूजिक कंपनी द्वारा समर्थित, फिल्म के संगीत और साउंड डिजाइन को भी खूब सराहा जा रहा है।

एस.एस. राजामौली और महेश बाबू की फिल्म से पृथ्वीराज सुकुमारन का कुम्भा के रूप में फर्स्ट लुक हुआ रिलीज

ये भारत की सबसे बड़ी आने वाली फिल्मों में से एक है, जिसमें महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिकाओं में हैं, और निर्देशन कर रहे हैं एस.एस. राजामौली, जो बाहुबली फ्रेंचाइजी और त्त जैसी ग्लोबल हिट फिल्मों के बाद अब एक और मेगा प्रोजेक्ट लेकर आ रहे हैं। इंतजार अब खत्म हो गया है! निर्देशक और विजनरी एस.एस. राजामौली ने अपने आने वाले मेगा प्रोजेक्ट से पृथ्वीराज सुकुमारन का पहला लुक पोस्टर जारी कर दिया है, और ये बिल्कुल वैसा ही है जैसा फैन्स ने उम्मीद की थी, बिल्कुल दमदार, जोश से भरा और पूरी तरह सिनेमैटिक। भारत की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्म का पहला लुक आखिरकार आ गया है। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन का ग्लोब ट्रॉटर की दुनिया से कुम्भा के रूप में पहला लुक रिलीज हुआ है। फिल्म में पृथ्वीराज एक खतरनाक, बेरहम और ताकतवर विलेन का रोल निभा रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पोस्टर में वो एक हाई-टेक व्हीलचेयर पर दिख रहे हैं, जो उन्हें एक नए जमाने का विलेन बनाता है। ग्लोब ट्रॉटर एस.एस. राजामौली और महेश बाबू का अब तक का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। फैन्स सालों से इन दोनों को साथ देखने का इंतजार कर रहे थे, और अब उत्साह अपने चरम पर है। राजामौली पहले ही भारतीय सिनेमा को ग्लोबल स्तर पर पहचान दिला चुके हैं, और अब सुपरस्टार महेश बाबू के साथ उनकी ये जोड़ी देखने लायक होगी। इसी के साथ इस फिल्म के प्रमोशन की शुरूआत हो चुकी है। पोस्टर में एस.एस. राजामौली की पहचान साफ झलकती है। वो हमेशा कुछ अलग और बड़ा करते हैं, और इस बार तो उन्होंने उत्साह को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। आरआरआर जैसी ग्लोबली हिट और ऑस्कर जीतने वाली फिल्म के बाद अब उम्मीदें आसमान पर हैं। ग्लोब ट्रॉटर का लॉन्च इवेंट भारतीय सिनेमा के इतिहास का सबसे बड़ा इवेंट बताया जा रहा है। ये 15 नवंबर को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में होने वाला है। माहौल पहले से ही जोश से भरा है, ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि उस दिन जो खुलासे होने वाले हैं, वो वाकई कुछ अलग ही होंगे। आज सुबह राजामौली ने एक्स पर पोस्ट कर बताया था कि पोस्टर जल्द आने वाला है, और अब वो सामने आ चुका है, जिसने इंटरनेट पर धूम मचा दी है। इस दमदार पहले लुक में पृथ्वीराज एक सख्त और असरदार अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिनकी शांत ताकत राजामौली की अगले ग्लोबल-लेवल प्रोजेक्ट की सोच से बिल्कुल मेल खाती है। अपने पहले पोस्ट में राजामौली ने लिखा था श्सेट पर तीनों के साथ क्लाइमैक्स शूट के बीच, रुळसवइमज्तवजजमत इवेंट के लिए जोरों से तैयारी चल रही है। इस बार हम कुछ ऐसा करने जा रहे हैं जो हमने पहले कभी नहीं किया। 15 नवंबर को आप सभी को ये अनुभव कराने का इंतजार नहीं हो रहा। फिल्ममेकर ने बताया कि टीम इस वक्त फिल्म का क्लाइमैक्स सीन शूट कर रही है, जिसमें तीनों मुख्य कलाकार एक साथ नजर आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले इवेंट की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, ये शूट राजामौली की अब तक की सबसे बड़े पैमाने पर फिल्माए गए सीक्वेंसेज में से एक है।

मम्मी-पापा को रही है दिल की बीमारी? डॉक्टर से जानिए आप कैसे रहें इससे सुरक्षित

दिल की बीमारियां मौजूदा समय में बहुत आम हो गई हैं। अब सिर्फ उम्रदराज लोग ही नहीं, कम उम्र वाले भी इसका शिकार हो रहे हैं। डॉक्टर्स की मानें तो खराब लाइफस्टाइल जैसे लंबे समय तक बैठे रहना, व्यायाम न करना और खान-पान की गड़बड़ी जैसे फास्ट फूड, जंक फूड और मीठी चीजों के अधिक सेवन ने इन बीमारियों के खतरे को बढ़ा दिया है। डॉक्टर्स बताते हैं कि बच्चों का मोबाइल या टीवी स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बीत रहा है, जिसके कारण उनकी शारीरिक गतिविधि कम हो गई है। इसके अलावा आहार की गड़बड़ी भी दिल पर सीधा असर डाल रही है। यही कारण है कि समय के साथ हृदय की समस्याओं का खतरा और भी बढ़ गया है। विशषज्ञों के अनुसार, अगर परिवार में, विशेषतौर पर माता-पिता में से किसी को पहले से ही दिल की बीमारी रही है तो इससे आपमें भी इसका खतरा बढ़ जाता है। हालांकि अच्छी बात ये है कि समय रहते अपने जोखिमों को जानते हुए अगर आप बचाव के उपाय शुरू कर देते हैं तो इस जानलेवा समस्या से बचाव किया जा सकता है।

हृदय रोगों के बढ़ते मामले

हृदय रोग विशेषज्ञ कहते हैं, चूंकि दिल की बीमारियों से आज के समय में किसी को भी सुरक्षित नहीं माना जा सकता है इसलिए अगर बच्चों को शुरूआती उम्र से ही हेल्दी लाइफस्टाइल सिखाई जाए तो भविष्य में इस बीमारी के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए रोजाना 30 मिनट व्यायाम, पौष्टिक भोजन, नींद का सही समय और तनाव-मुक्त दिनचर्या की आदत बनाएं।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

हृदय रोगों के खतरे को समझने के लिए किए गए एक अध्ययन में शोधकताओं ने बताया कि जिन लोगों के परिवार में किसी को 55 की उम्र से पहले हृदय रोग हो चुका है, उनमें हृदय रोगों का खतरा अधिक हो सकता है। बातचीत में वरिष्ठ कार्डियोलॉजी डॉ. रवि सिन्हा बताते हैं, आनुवांशिकता का हृदय रोगों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। जन्मजात हृदय दोष और कार्डियोमायोपैथी जैसे रोग इसका सबसे आम उदाहरण हैं। जिन लोगों में इसका जोखिम अधिक हो उन्हें कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए।

नियमित रूप से हृदय की जांच कराएं

अगर परिवार में किसी को हृदय रोग है, तो ऐसे में 25 वर्ष की उम्र के बाद ईसीजी, इकोकार्डियोग्राम और लिपिड प्रोफाइल टेस्ट जैसी जांचें करवाना बहुत जरूरी है। समय-समय पर डॉक्टर से सलाह लेकर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल का स्तर जांचते रहें। इन जांच की मदद से जोखिमों को समय से पता लगाने और इसके आधार पर बचाव के उपाय करने में मदद मिलती है।

आहार पर दें खास ध्यान

हृदय रोगों से बचाव में आहार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण अधिक होती है। अगर आपके परिवार में भी हृदय रोगों का इतिहास है तो सैचुरेटेड फैट, ट्रांस फैट और नमक का सेवन कम करें। रोजाना अपने भोजन में फाइबर युक्त अनाज, हरी सब्जियां, फल और ओमेगा-3 युक्त फिश या नट्स शामिल करें।

नियमित व्यायाम की बनाएं आदत

दिल की बीमारियों से बचे रहने के लिए नियमित व्यायाम की आदत बनाना भी जरूरी है। दिन में सिर्फ 30 मिनट का तेज चलना या हल्का कार्डियो अभ्यास हृदय को मजबूत बनाता है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिपोर्ट के अनुसार, नियमित व्यायाम करने वालों में हृदय रोग का खतरा 35% तक कम होता है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और योगासन भी अपनाएं, इससे ब्लड सकुर्लेशन सुधरता है और तनाव कम होता है।

धूम्रपान और शराब से बनाएं दूरी

जिन लोगों में आनुवांशिक रूप से हृदय रोग का जोखिम होता है, उनके लिए सिगरेट और शराब किसी जहर से कम नहीं। निकोटिन और अल्कोहल रक्त वाहिकाओं को संकुचित करते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और धमनियां कमजोर होती हैं। धूम्रपान छोड़ने के 1 साल के भीतर हृदय रोग का खतरा 50% तक घट सकता है।

जिम करने के बावजूद बनी रहती है थकान, कहीं आप जरूरत से ज्यादा तो नहीं कर रहे हैं वर्कआउट

आज के समय बहुत से लोगों में

स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है। अधिकतर लोग अब अच्छी सेहत को प्राथमिकता देते हैं और इसे लंबी उम्र के लिए एक निवेश के तौर पर देखते हैं। मगर कुछ लोग इसी जुनून में कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जैसे वे अपनी क्षमता से अधिक मेहनत वाली कसरत करने लगते हैं। दरअसल, कुछ लोगों के दिमाग में यह धारणा होती है कि 'जितना ज्यादा वर्कआउट करेंगे, उतना अच्छा रिजल्ट आएगा'। लेकिन यह धारणा पूरी तरह सच नहीं है, क्योंकि जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज करने की आदत से आपको कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। इस परेशानी को ओवरट्रेनिंग सिंड्रोम कहा जाता है। ऐसी स्थिति में आपकी मांसपेशियों को रिकवर होने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता है। यह ओवरट्रेनिंग न सिर्फ आपकी फिटनेस की प्रगति को रोकती है, बल्कि आपके हार्मोनल संतुलन, इम्यून सिस्टम और मानसिक स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। जब आप ओवरट्रेनिंग करते हैं, तो शरीर में कोर्टिसोल का स्तर बढ़ जाता है, जिससे आपके शरीर में लगातार थकान बनी रहती है। ऐसे में अगर आपका शरीर कुछ खास संकेत दे रहा है, तो आप समय रहते इन आदतों को पहचानें और अपनी जुनून और मेहनत को सही तरीके से उपयोग कर सकें। आइए इस लेख में ऐसे ही कुछ संकेतों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

लगातार थकान और नींद की समस्या

ओवरट्रेनिंग का सबसे स्पष्ट संकेत है लगातार थकान बने रहना, जो आराम करने के बाद भी दूर नहीं होती। भले ही आप पूरी रात सोएं, इस स्थिति में आप सुबह तरोताजा महसूस नहीं करेंगे। इसके साथ ही कई लोगों को नींद न आने की शिकायत भी होने लगती है, या उनकी नींद बार-बार टूटती है। यह इसलिए होता है क्योंकि बढ़ा हुआ कोर्टिसोल हार्मोन तंत्रिका तंत्र को अति-सक्रिय रखता है, जिससे शरीर आराम नहीं कर पाता है।

जोड़ों का दर्द और बार-बार चोट लगना

ज्यादा कसरत करने से आपकी मांसपेशियां और जोड़ ठीक होने से पहले ही फिर से तनाव में आ जाते हैं। इसके कारण आपको बिना वजह जोड़ों में और पुराने घावों वाली जगह पर दर्द महसूस हो सकता है। बार-बार छोटे-छोटे मांसपेशियों का खिंचाव या चोट लगना भी ओवरट्रेनिंग का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में शरीर को रिकवरी का समय देना बहुत जरूरी है, वरना यह चोट गंभीर रूप भी ले सकती है।

इम्यूनिटी का कमजोर होना

जरूरत से ज्यादा व्यायाम आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सीधा नुकसान पहुंचाता है। जब शरीर लगातार तनाव में रहता है, तो वह संक्रमण से लड़ने वाले सफेद रक्त कोशिकाओं को कम बना पाता है। यही वजह है कि आप बार-बार सर्दी-जुकाम, फ्लू या छोटे-मोटे संक्रमण की चपेट में आने लगते हैं। यह बताता है कि आपके शरीर की इम्यूनिटी खराब है और आपको तुरंत इसपर काम करने की जरूरत है।

मूड में बदलाव और परफॉर्मेंस में गिरावट

ओवरट्रेनिंग से मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। आपको अचानक चिड़चिड़ापन, गुस्सा, या उदास महसूस हो सकता है। साथ ही जिम में आपकी परफॉर्मेंस में सुधार आने के बजाय, गिरावट आने लगती है, आप उतना वजन नहीं उठा पाते या उतनी तेज नहीं दौड़ पाते, जितना आप पहले करते थे। यदि ये संकेत दिखें, तो अपने वर्कआउट की अवधि और तीव्रता तुरंत कम कर दें।

शुगर की जांच के लिए अब निडिल चुभाने की जरूरत नहीं, मिनटों में मिलेगा रिजल्ट

डायबिटीज दुनियाभर में तेजी से बढ़ती गंभीर समस्या है, जिसका खतरा अब कम उम्र के लोगों में भी देखा जा रहा है। पहले डायबिटीज बुजुर्गों को होने वाली बीमारी माना जाती थी हालांकि अब युवा और बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो ये बीमारी किसी को भी हो सकती है, हालांकि जिनकी लाइफस्टाइल ठीक नहीं है, खान-पान गड़बड़ है या फिर माता-पिता या परिवार में पहले से किसी को ये बीमारी रही है, उनमें खतरा अधिक हो सकता है। डॉक्टर सभी डायबिटीज मरीजों को नियमित अंतराल पर शुगर लेवल की जांच करते रहने और उसी आधार पर खानपान और दिनचर्या को व्यवस्थित करने की सलाह देते हैं। घर पर ही शुगर की जांच करने के लिए ग्लूकोमीटर का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। ये एक छोटा सा डिवाइस है जिसके स्ट्रिप पर खून की एक बूंद लगाकर शुगर लेवल की जांच की जा सकती है। हालांकि इसके लिए हर बार उंगली पर निडिल चुभाकर खून निकालने की जरूरत होती है, जो दर्दकारक होती है। डायबिटीज रोगियों के लिए इस संबंध में अच्छी खबर है। आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों ने एक प्रभावी ग्लूकोमीटर तैयार कर लिया है जिसमें बिना सुई चुभाए भी शुगर की जांच की जा सकती है।

ग्लूकोज मॉनिटरिंग उपकरण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी-एम) के शोधकताओं ने मधुमेह रोगियों के लिए एक कम बजट वाला, यूजर फ्रेंडली और उपयोग करने में आसान ग्लूकोज मॉनिटरिंग उपकरण विकसित किया है। शोधकताओं की टीम का मानना है कि इसकी मदद से शुगर लेवल को नियमित रूप से जांचने में बिना दर्द के मदद मिल सकती है। यह पेटेंट उपकरण मरीजों को बिना उंगलियों में सुई चुभने के दर्द के भी ग्लूकोज के स्तर को मापने में मददगार हो सकती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की रिपोर्ट के मुताबिक देश की लगभग 9 प्रतिशत आबादी मधुमेह से पीड़ित है, इनमें से अधिकतर लोगों को डॉक्टर नियमित रूप से शुगर की जांच करते रहने की सलाह देते हैं।

क्विंटन डी कॉक ने गिब्स का रिकॉर्ड तोड़ा, शानदार शतक से दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। क्विंटन डी कॉक, जो अपनी चतुर तकनीक के लिए जाने जाते हैं, वनडे में दक्षिण अफ्रीका के लिए तीसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए, जब उनकी बल्लेबाजी की उत्कृष्ट कृति ने प्रोटियाज को दूसरे मैच में फैसलाबाद के इकबाल स्टेडियम में पाकिस्तान पर 8 विकेट से शानदार जीत दिलाई और श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

तेजतर्रार बाएं हाथ के बल्लेबाज ने नाबाद 123 (119) की पारी खेली, जो कि भाग्य से भरपूर थी, जिससे पाकिस्तान को दूसरे वनडे में 270 रनों के मामूली लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिली। एक और शानदार प्रदर्शन के साथ, डी कॉक के शतकों की संख्या 22 हो गई, जिससे उन्होंने हर्शल गिब्स के 21 वनडे शतकों को पीछे छोड़ दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए, डी कॉक को एक अभूतपूर्व जीवनदान मिला जब उन्होंने गेंद को फ्लिक करने का प्रयास किया लेकिन गेंद सीधे मोहम्मद नवाज के पास पहुंच गई, जिन्होंने गेंद को दोनों हाथों से पकड़ लिया लेकिन गेंद को बाहर निकलने दिया। उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और सैम अयूब की गेंद पर 80 मीटर का छक्का जड़ दिया। अगले ओवर में, उन्होंने मोहम्मद वसीम जूनियर को एक और ऊंची 77 मीटर की

छक्का जड़कर परेशान किया। लुआन-ड्रे प्रीटोरियस के 46(40) रन पर आउट होने के साथ 81 रनों की शुरूआती साझेदारी समाप्त होने के बाद, डी कॉक ने टोनी डी जोरजी के साथ 153 रनों की साझेदारी की, जो पाकिस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी थी। फहीम अशरफ द्वारा डीप मिड-विकेट पर मौका गंवाने के बाद टोनी डी जोरजी को भी जीवनदान मिला। अंततः वह सैम अयूब की गेंद पर अशरफ को कैच दे बैठे और 76(63) रन बनाकर पवेलियन लौटे। क्विंटन डी कॉक नाबाद रहे और उन्होंने 59 गेंद शेष रहते 270 रन का पीछा पूरा किया, कार्यवाहक कप्तान मैथ्यू ब्रीट्जके ने 21 गेंदों पर 17* रन बनाकर दूसरे छोर पर उनका साथ दिया। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका की दमदार गेंदबाज जोड़ी, नांद्रे बर्गर (4/46) और नकाबा पीटर (3/55) ने पाकिस्तान के शीर्ष क्रम पर कहर बरपाया और पाँच ओवरों में ही उनका स्कोर 22/3 कर दिया। बर्गर की तेज गेंदबाजी ने फखर जमान, बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के विकेट झटक लिए, जिससे पाकिस्तान के शुरूआती रन बनाने के मौके काफी कम हो गए। सैम अयूब के 53 और सलमान अली आगा के 69 रनों की बदौलत पाकिस्तान का मध्यक्रम गति पकड़ने के लिए जूझता रहा, दोनों का स्ट्राइक रेट 90 से कम रहा। मोहम्मद नवाज ने महत्वपूर्ण प्रतिरोध किया और आगा के साथ अंत में हुई साझेदारी में दो छक्कों सहित अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 59 रन की पारी खेली, जिससे पाकिस्तान 269/9 के मामूली स्कोर तक पहुँच सका।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को रौंदा, टी20 सीरीज में 2-1 की लीड; गेंदबाजों का कमाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कैनबरा के कैरारा ओवल में खेले गए चौथे टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पाँच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली।

बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण रही इस रात में, सूर्यकुमार यादव की टीम को गेंदबाजों ने मजबूती से संभाला, जिसमें वाशिंगटन सुंदर ने तीन अहम विकेट लेकर मेहमान टीम को आसान जीत दिलाई। इससे पहले भारत का बल्लेबाजी क्रम गुरुवार को कैरारा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 167/8 का स्कोर बनाने के बाद लय हासिल करने के लिए संघर्ष करता दिखा। ऑलराउंडर अक्षर पटेल के अंत में किए गए शानदार प्रदर्शन ने मध्यक्रम के पतन के बाद भारत को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुँचने में मदद की। भारत ने अंतिम छह ओवरों में 46 रन बनाए और इस दौरान छह विकेट गंवाए। टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत की शुरूआत उतनी तेज नहीं रही जितनी कि वे करते आए हैं क्योंकि शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने अपने पहले छह ओवरों में 49 रन बनाए। शर्मा ने एडम जम्पा की गेंद पर आउट होने से पहले 21 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाए। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए गए शिवम दुबे ने 18 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन का योगदान दिया, लेकिन नाथन एलिस की गेंद पर बोल्ड हो गए। कप्तान सूर्यकुमार यादव 10 गेंदों पर 20 रन बनाकर खतरनाक दिख रहे थे, लेकिन सस्ते में आउट हो गए, जबकि तिलक वर्मा (5) और जितेश शर्मा (3) भी प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। वाशिंगटन सुंदर ने 7 गेंदों पर 12 रन जोड़े और फिर एलिस का तीसरा शिकार बने। अक्षर पटेल ने अंत में जरूरी पारी खेली और 11 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 167/8 तक पहुँचाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने 21 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि एडम जम्पा ने भी 45 रन देकर 3 विकेट चटकाकर प्रभावित किया। जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टोइनिस ने एक-एक विकेट लिया। 168 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत अच्छी रही और मिशेल मार्श और मैथ्यू शॉर्ट ने पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। हालाँकि, शॉर्ट के आउट होते ही पारी बिखर गई। अक्षर पटेल ने लगातार दो विकेट झटके, जिससे मेजबान टीम लड़खड़ा गई। मार्श ने ऑस्ट्रेलिया को मुकाबले में बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन शिवम दुबे ने उन्हें और बाद में टिम डेविड को आउट कर दिया, जिससे लक्ष्य और भी मुश्किल हो गया। इसके बाद वाशिंगटन सुंदर ने मोर्चा संभाला और तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी क्रम को संभलने का मौका नहीं दिया। अंततः मेजबान टीम हार गई और भारत ने 48 रनों से शानदार जीत दर्ज की। हालाँकि इस नतीजे से भारत को सीरीज में 2-1 की बढ़त और अच्छी लय मिल गई है, फिर भी टीम कुछ चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेगी। सबसे खास है गिल का बीच के ओवरों में रन बनाने का औसत, जो भारत के आक्रामक टी20 रवैये को जारी रखने के लिए अहम साबित हो सकता है।

जीत का जश्न: विश्व कप विजेता महिला टीम ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात, हरमनप्रीत ने सौंपी जर्सी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति को टीम की तरफ से एक जर्सी भेंट की, जिस पर सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर मौजूद हैं। बता दें कि भारतीय टीम ने बीते रविवार को नवी मुंबई में खेले गए 50 ओवरों के विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। गौरतलब है कि यह जीत भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास का एक ऐतिहासिक पल माना जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू ने टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का काम किया है। राष्ट्रपति ने पर लिखा, टीम इंडिया के ये सदस्य अलग-अलग क्षेत्रों, सामाजिक पृष्ठभूमियों और परिस्थितियों से आते हैं, लेकिन सभी एक टीम — भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस मुलाकात के दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर ने विश्व कप ट्रॉफी भी राष्ट्रपति को दिखाई है। टीम इससे पहले बुधवार प्रधानमंत्री संग हुई इस मुलाकात में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि 2017 में जब वे उपविजेता बनकर लौटी थीं, तब भी पीएम मोदी से मुलाकात हुई थी। वहीं इस बार वे गर्व के साथ विजेता बनकर लौटी हैं। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने पीएम के नेतृत्व की सराहना की, जबकि दीप्ति शर्मा ने उनके प्रेरणादायक शब्दों को याद किया। पीएम मोदी ने टीम से फिट इंडिया आंदोलन को आगे बढ़ाने और खासकर लड़कियों में फिटनेस को बढ़ावा देने की अपील की है।

2030 तक 35 अरब डॉलर का होगा क्विक कॉमर्स बाजार, फूड डिलीवरी बना रहेगा मुनाफे का इंजन

एजेंसी

नई दिल्ली। क्विक कॉमर्स आने वाले वर्षों में काफी प्रतिस्पर्धी बना रहेगा। वहीं

फूड डिलीवरी सेगमेंट ऑनलाइन प्लेटफार्मों के लिए मुख्य लाभ का स्रोत बना रहेगा। बर्नस्टीन रिसर्च की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्विक कॉमर्स में प्रतिस्पर्धा तीव्र बनी रहे, जबकि फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स की कैश मशीन बनी रहेगी। बर्नस्टीन के मुताबिक, क्विक कॉमर्स मुख्य रूप से लगभग 7 करोड़ ऐसे उपभोक्ताओं को सेवा देता है, जो आर्थिक रूप से सक्षम हैं लेकिन समय की कमी से जूझते हैं। ये उपभोक्ता प्रमुख शहरी इलाकों में रहते हैं और सुविधा को प्राथमिकता देते हैं। रिपोर्ट का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2030 तक क्विक कॉमर्स का बाजार 35 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसमें खासकर देश के शीर्ष 40 शहरों में पारंपरिक किराना दुकानों से हिस्सा कम होने की संभावना जताई गई है।

ये क्विक कॉमर्स के प्रमुख संचालक बने हुए हैं

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टोर का स्थान, उपभोक्ता डेटा और परिचालन संबंधी कठोरता, क्विक कॉमर्स व्यवसाय के लिए प्रमुख मूल्य-संचालक बने हुए हैं। ये कारक मौजूदा कंपनियों को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ने का लाभ देता है। हालांकि, इस क्षेत्र की ग्रोथ अब 20% से नीचे आ गई है, क्योंकि चैनल-शिफ्ट फेज यानी ऑफलाइन से ऑनलाइन डिलीवरी की ओर मांग बढ़ने वाला दौर अब लगभग खत्म हो चुका है। दूसरी ओर, क्विक कॉमर्स में ब्लिंकिट, इंस्टामार्ट और जेप्टो शीर्ष तीन कंपनियों के रूप में अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये तीनों कंपनियां प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बावजूद लाभदायक बनी रह सकती हैं। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि क्विक कॉमर्स में बाजार हिस्सेदारी तो नेताओं के पास है, लेकिन मुनाफे का वितरण फूड डिलीवरी की तुलना में उतना केंद्रित नहीं है। यानी, क्विक कॉमर्स में हर खिलाड़ी के लिए मौका है, लेकिन असली कैश फ्लो अब भी फूड डिलीवरी से ही आता है।

भारतीय उपभोक्ताओं का शीर्ष पांच प्रतिशत

बर्नस्टीन ने आगे बताया कि भारतीय उपभोक्ताओं का शीर्ष-5 प्रतिशत लगभग 7 करोड़ लोग, जिनकी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद लगभग 20,000 अरब डॉलर है। वित्त वर्ष 2030 तक 80 अरब डॉलर का प्रतिनिधित्व करेंगे। ये उपभोक्ता सुविधा और गुणवत्ता, दोनों के लिए भुगतान करने को तैयार हैं। इसलिए, टिकाऊ व्यावसायिक मॉडल के लिए कंपनियों को विभिन्न उपयोग स्थितियों में लेन-देन की आवृत्ति को समेकित करना होगा और इन प्रीमियम ग्राहकों से ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त करना होगा।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 95 अंक फिसला

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र

में गिरावट जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 95 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी 25,500 अंक से नीचे आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 94.73 अंक यानी 0.11 प्रतिशत गिरकर 83,216.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 640.06 अंक तक लुढ़क गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 17.40 अंक यानी 0.07 प्रतिशत कमजोर होकर 25,492.30 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से भारती एयरटेल में सर्वाधिक 4.46 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा टेक महिंद्रा, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के शेयर भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फिनसर्व के शेयर में तेजी दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू शेयर बाजार में शुरूआती गिरावट से काफी हद तक उबरने में सफल रहे क्योंकि प्रमुख समर्थन स्तरों पर खरीदारी बढ़ी। हालांकि कंपनियों के मिलेजुले नतीजों, सतर्क वैश्विक संकेतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच इसे रुझान में बदलाव कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, बाजार अभी अमेरिका में सरकारी विभागों के कामकाज ठप होने (शटडाउन) और शुल्क संबंधी घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखेंगे। साथ ही अमेरिका-भारत एवं अमेरिका-चीन समझौतों पर भी नजर रहेगी। बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.25 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट रही। बीएसई पर कुल 2,105 शेयर में गिरावट आई जबकि 2,069 शेयर लाभ में रहे और 141 शेयरों के भाव अपरिवर्तित रहे। छुट्टियों से प्रभावित इस सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स में कुल 722.43 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि निफ्टी में 229.8 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की गिरावट आई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए।

संक्षिप्त समाचार

इंडियन प्रेस एसोसिएशन की बैठक संपन्न प्रदेश और जिला पदाधिकारियों की घोषणा

गोरखपुर। इंडियन प्रेस एसोसिएशन की बैठक आज महानगर गर्ल्स इंटर कॉलेज, राजेंद्र नगर में संपन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार और पत्रकार हितों को मजबूत करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में निम्न पदाधिकारियों की जिम्मेदारियाँ तय की गईं जिसमें प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्षः श्रीमती रेखा पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्षः मार्कण्डेय पाण्डेय एवं श्री रितेश श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्रीः श्री धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव, प्रदेश महासचिवः श्रीमती प्रियंका अवस्थी, प्रदेश सचिवः श्री सुरेश कुमार गुप्ता, गोरखपुर जिला अध्यक्षः श्रीमती दीपिका दुबे कार्यक्रम में संस्थापक राजेश कुमार श्रीवास्तव तथा राष्ट्रीय पदाधिकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्षः आदर्श श्रीवास्तव, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्षः अजय कुमार वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्षः ई. शक्ति शंकर सिंह, राष्ट्रीय संगठन मंत्रीः संजय कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्रीः कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासचिवः अरुण कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सचिवः पुनीत भारद्वाज, राष्ट्रीय कोषाध्यक्षः आदित्य अंचल, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारीः श्रीमती रेखा पाण्डेय आदि लोग उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और पत्रकारों के हितों की समुचित रक्षा के लिए सक्रिय अभियानों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

बालाजी फिलिंग स्टेशन, बारा का भव्य उद्घाटन

विधायक डॉ. वाचस्पति एवं मेयर गणेश केसरवानी ने किया शुभारंभ

बारा (प्रयागराज)। क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बालाजी फिलिंग स्टेशन का भव्य उद्घाटन रविवार को बारा विधायक डॉ. वाचस्पति एवं प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन कार्यक्रम में विधायक डॉ. वाचस्पति ने कहा कि फिलिंग स्टेशन के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर और सुगम ईंधन सेवा उपलब्ध होगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मेयर गणेश केसरवानी ने कहा कि बालाजी फिलिंग स्टेशन उपभोक्ताओं को पारदर्शी, गुणवत्तायुक्त और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होंने स्टेशन संचालक को शुभकामनाएं देते हुए सफलता की कामना की। स्टेशन के प्रोपराइटर रोहित केसरवानी ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि ग्राहकों का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। हम ईमानदारी एवं सेवा भाव के साथ उपभोक्ताओं को सर्वोत्तम सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, व्यापारीगण, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय जनता बड़ी संख्या में उपस्थित रही। अंत में अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर आभार व्यक्त किया गया।

रेलवे का चला बुलडोजर, 20 से अधिक दुकानें और झोपड़ियां जमींदोज

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के ऐशबाग स्टेशन के पास (मवैया इलाके में) आज बुलडोजर कार्रवाई हुई है। यह कार्रवाई पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन की तरफ से की गई है। बताया जा रहा है कि मवैया इलाके में रेलवे की जमीन पर लंबे समय से अवैध कब्जा था, जिसे आज खाली कराया जा रहा है। आरपीएफ की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक अवैध रूप से बनी दुकानों और झुग्गी- झोपड़ियों को हटाया जा रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर यहां भारी पुलिस फोर्स तैनात है। स्थानीय प्रशासन और स्टेट पुलिस की टीमें भी मौके पर मौजूद है। दरअसल, रेलवे की जमीन पर लंबे समय से कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा था, इतना ही नहीं उस पर दुकानें भी बना ली थीं। दुकानों और झोपड़ियों को हटाने के लिए कुछ दिन पूर्व नोटिस भी जारी की गई थी, लेकिन उसके बाद भी जगह खाली नहीं हुई, जिसके बाद आज यानी शुक्रवार को रेलवे प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई कर जमीन को कब्जा मुक्त कराने की कवायद शुरू कर दी है। हालांकि इस दौरान किसी प्रकार का विरोध स्थानीय लोगों ने नहीं किया है।

बुलेट सवार छात्र और उसका दोस्त बस से टकराए छात्र की मौके पर मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बुलेट सवार 11वीं का छात्र और उसका दोस्त बस से टकरा गए। इससे छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल है। शुक्रवार सुबह छात्र अपनी बहन को स्कूल छोड़कर दोस्त के साथ घर लौट रहा था। स्कूल से निकलते ही एक प्राइवेट बस से टकरा गया। आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे तो देखा कि 11वीं के छात्र वैभव की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि उसका दोस्त शाश्वत सड़क पर तड़प रहा था। हादसे के बाद बस ड्राइवर भागने लगा, लेकिन एक ऑटो चालक ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। वैभव को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया। हादसा आशियाना थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह सवा 7 बजे हुआ। वैभव के नाना ने बताया वह स्टेला मॉरिस इंटर कॉलेज में पढ़ता था।

दिल्ली में तकनीकी खराबी से लखनऊ में उड़ानें प्रभावित,यात्रियों ने किया हंगामा

लखनऊ (संवाददाता)। दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) में तकनीकी खराबी आने के कारण दिल्ली से लखनऊ आने-जाने वाली कई उड़ानें लेट हो गईं। इससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक परेशानी कनेक्टिंग उड़ान वाले यात्रियों को हुई। सूत्रों ने बताया कि विमानों की देरी से परेशान दिल्ली जाने वाले कुछ यात्रियों ने लखनऊ एयरपोर्ट पर हंगामा भी किया। एयरलाइंस अधिकारियों ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि तकनीकी गड़बड़ी के कारण दिल्ली से लखनऊ आने वाली कई उड़ानें प्रभावित हुईं। इनमें इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई 6350 सुबह 6: 35 बजे लखनऊ पहुंचनी थी, वह करीब 1 घंटा देरी से 7.34 बजे लखनऊ पहुंची। इसी तरह दिल्ली से सुबह 7: 10 बजे पहुंचने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2499 सुबह 9.15 बजे लैंड हुई। दिल्ली से सुबह 9.20 बजे आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2107 दोपहर 11.25 बजे पहुंची।

वन्दे मातरम भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में बना अमर मंत्र: योगी

- राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे सीएम
- मुख्यमंत्री ने किया राष्ट्रगीत वन्दे मातरम का सामूहिक गायन व प्रदर्शनी का अवलोकन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के रचयिता स्व बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्रगीत वन्दे मातरम भारत की भक्ति व शक्ति की सामूहिक तथा शाश्वत अभिव्यक्ति का स्वरूप है। वन्दे मातरम् भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान अमर मंत्र बना था। विदेशी हुकूमत द्वारा दी जाने वाली अनेक यातनाओं की परवाह किए बिना भारत के प्रत्येक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा क्रान्तिकारी ने इस गीत के साथ प्रत्येक गांव तथा नगर में प्रभात फेरी के माध्यम से सामूहिक चेतना का प्रसार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर स्मरणोत्सव आयोजित करने के लिए प्रेरणा प्रदान की।मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा सन् 1875 में रचित राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वन्दे मातरम् के सामूहिक गायन एवं स्वदेशी का संकल्प कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ वन्दे मातरम गीत का सामूहिक गायन किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गयी राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। वन्दे मातरम केवल एक व्यक्ति, जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, वर्ग या भाषा का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि संस्कृत और बांग्ला भाषा की सामूहिक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करते हुए, सम्पूर्ण भारत को एक राष्ट्र के भाव के साथ जोड़ने का अमर गीत है। इस गीत ने भारत की शाश्वत अभिव्यक्ति को देश वासियों के सामने प्रस्तुत किया था। यह वही भाव है, जो वैदिक वाक्य माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः से प्रकट होता है। प्रत्येक भारतीय के मन में यह अभिव्यक्ति सहज और सरल रूप से उस समय दिखायी दी, जब विदेशी हुकूमत ने सन् 1905 में बंग भंग के माध्यम से भारत की भुजाओं को काटने का दुस्साहसिक निर्णय लिया था। उस समय वन्दे मातरम् गीत ने देशवासियों को एकजुट होकर ब्रिटिश हुकूमत का प्रतिकार करने की प्रेरणा दी। देश की आजादी के आंदोलन के दौरान क्रांतिकारियों ने फांसी के फंदे को चूमते हुए वन्दे मातरम् गीत का गायन किया था। यह गीत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले प्रत्येक स्लोगन का हिस्सा बना। वन्दे मातरम् भारत की सामूहिक अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए सम्पूर्ण देश को एकता के सूत्र में बांधने वाला ऐसा मंत्र बना, जिसके माध्यम से व्यक्ति जाति, मत और मजहब से ऊपर उठकर राष्ट्र के बारे में सोच सकता है। राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ हम सब की सामूहिक अभिव्यक्ति राष्ट्र माता के प्रति होनी चाहिए। यह गीत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उस अमर उपन्यास आनंद मठ पर आधारित है, जिसमें तत्कालीन बंगाल में अकाल व अभाव से ग्रसित जनता के स्वरों को उकेरा गया। इन स्वरों को सन्यासियों ने एक आंदोलन का रूप दिया। यह अमर गीत भारत को नई दिशा देने तथा सामूहिक चेतना को आगे बढ़ाने में सफल हुआ है। 150 वर्षों से यह राष्ट्रगीत देश में राष्ट्रीयता का भाव उत्पन्न करने में सफल हुआ है। हम सब वन्दे मातरम का हिस्सा हो सकते हैं। वन्दे मातरम् हमें किसी उपासना विधि, व्यक्ति विशेष का आग्रही नहीं बनाता। यह हमें अपने कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनाता है। बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर ने हमें अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी।

मेयर की अफसरों को चेतावनी, कोई हिलेगा नहीं, समाधान दिवस में नहीं पहुंचे नगर आयुक्त

लखनऊ (संवाददाता)। नगर निगम मुख्यालय में संपूर्ण समाधान दिवस में नगर आयुक्त गौरव कुमार समेत कई अफसरों के नहीं पहुंचने पर मेयर सुषमा खर्कवाल भड़क गईं हैं। उन्होंने पूछा सभी अपर नगर आयुक्त और जोनल अधिकारी कहा हैं? हमारे लिए जनता वीआईपी है। हम सब जनता के नौकर हैं। इनका काम हो। इस बीच मौके पर मौजूद अपर नगर आयुक्त ललित कुमार बाहर चले गए। इस पर नाराजगी जताते हुए मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा- अब सुनवाई पूरी नहीं होने तक कोई अधिकारी यहां से नहीं हिलेगा। नगर आयुक्त का संपूर्ण समाधान में न आने और मेयर के पहुंचते ही अपर नगर आयुक्त ललित कुमार का बाहर चले जाने को मेयर-नगर आयुक्त विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, नगर निगम मुख्यालय में आज, शुक्रवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हो रहा है। उसमें बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे हैं। लोग गृहकर, जलकर, सफाई, सड़क, सीवर, स्ट्रीट लाइट और कूड़ा उठाने जैसी शिकायतों को लेकर पहुंचे हैं। 3 अपर नगर आयुक्त और 3 जोनल अधिकारी संपूर्ण समाधान दिवस में नहीं आए हैं। संपूर्ण समाधान दिवस में अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, नम्रता सिंह और डॉ. अरविंद कुमार राव नहीं पहुंचे। जोन 5 जोनल अधिकारी विनीत सिंह, जोन 7 जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद, जोन 8 जोनल अधिकारी विकास सिंह नहीं पहुंचे। मेयर के पहुंचने पर अपर नगर आयुक्त ललित कुमार चले गए। इस पर मेयर ने नाराजगी जताई। उन्होंने पूछा अपर नगर आयुक्त कहां हैं? जोनल 8 विकास सिंह के मौजूद नहीं होने पर एक कर्मचारी ने कहा कि वह वीवीआईपी ड्यूटी में गए हैं। इस पर मेयर ने कहा कि यह लोग वीआईपी नहीं हैं। उन्होंने पूछा कौन सा वीवीआईपी मूवमेंट है। सीएम सहित कोई वीआईपी शहर में नहीं है। इसके करीब आधे घंटे बाद विकास सिंह संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंच गए। संपूर्ण समाधान दिवस में जोन 6 से ओम प्रकाश गुप्ता शिकायत करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि 4017 रुपए टैक्स जमा किया। बावजूद इसके 25147 रुपए टैक्स इस बार आ गया।

लोनिवि चालक संघ चुनाव 9 नवम्बर को होगा

लखनऊ (संवाददाता)। राजकीय परिवाहन चालक संघ लोक निर्माण विभाग की द्विवार्षिक अधिवेशन की घोषणा समयानुसार वर्तमान कार्यकारिणी ने कर दी है। लोक निर्माण विभाग विश्वैश्रैया प्रेक्षागृह में अधिवेषन चुनाव 9 नवम्बर 25 को सम्पन्न होगा। यह जानकारी संघ के अध्यक्ष षिव कुमार यादव एवं महामंत्री सुभाष चन्द्र मिश्रा ने संयुक्त रूप से दी। अधिवेषन में मुख्य अतिथि प्रमुख अभियंता विभागाध्यक्ष इं. ए.के. द्विवेदी और विषिष्ट अतिथि प्रमुख अभियंता परिकल्प नियोजन इं. विजय कनौजिया और प्रमुख अभियंता ग्रामीण सड़क इं. मुकेष चन्द षर्मा होगें। संघ के अध्यक्ष शिव कुमार यादव और महामंत्री, सुभाष मिश्र बताया कि चुनाव के लिए सुनील कुमार यादव अध्यक्ष यूपी पीडब्लूडी सार्किल आफिसर्स मिनिस्टीरियल एसों.लोनिवि और सहायक चुनाव अधिकारी मंसूर अहमद प्रान्तीय महामंत्री उ.प्र. फेडरेषन आफ मिनिस्टीरियल एसोसिएषन, हरिकेष यादव अध्यक्ष उ.प्र. चतुर्थ श्रेणी कम्रचारी संघ लोनिवि को नामित किया गया है। अधिवेषन में मुख्य अभियंता विघुत यॉत्रिक, मुख्य अभियंता मुख्यालय दो, मुख्य अभियंता मुख्यालय वन और मुख्य अभियंता मध्य क्षेत्र सहित विभिन्न कर्मचारी, अभियंता संघ के पदाधिकारी आमंत्रित किये गए है।

सप्तशक्ति संगम: 'सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र' कार्यक्रम संपन्न

सरस्वती शिशु मंदिर,(10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर में आज 'सप्तशक्ति संगमः सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। विद्या भारती के तत्वावधान में आयोजित इस प्रेरणादायक कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति का एकत्रीकरण व सम्मान करना और उनमें समरसता का भाव जागृत करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। मुख्य वक्ताः शैल पाण्डेय जी प्रधानाचार्य डी.ए.वी.पीजी कॉलेज ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी केवल परिवार की धुरी नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र की संस्कृति, शिक्षा और संस्कार को भी आगे बढ़ाती है। उन्होंने भारतीय संस्कृति में वर्णित नारी के सात स्वरूपों की महत्ता पर प्रकाश डाला और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नारी के सात गुणों (कीर्ति, श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, धृति व क्षमा) को जागृत कर राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना बताया। इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य समाज में नारी सशक्तिकरण के प्रति चेतना लाना और महिलाओं को शिक्षा, संस्कार तथा नेतृत्व क्षमता से लैस करना है, ताकि वे राष्ट्र के लिए अपने योगदान को और अधिक सशक्त बना सकें। विद्यालय की उपप्रधानाचार्या श्रीमती रुक्मिणी उपाध्याय जी ने माताओं को पेरेंटिंग के विभिन्न पहलुओं को पीपीटी द्वारा प्रकाशित करते हुए जागरूक किया। आज के समय में बच्चों के अनुचित मोबाइल प्रयोग करने व अपनी संस्कृति को भूल पाश्चात्य परंपराओं को अपनाने के चलन पर विशेष रूप से रोक लगाने का एवं भारतीय परंपराओं से पुनः बच्चों को जोड़ने का प्रयास करने का आग्रह किया । साथ ही उन्होंने भैया – बहनों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में समय– समय पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के विषय में बताया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं, छात्राओं और गणमान्य नागरिकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और विचारों को साझा किया, जिससे सभागार में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ एवं विशिष्ट मातृशक्तियों का सम्मान भी किया गया। जिनमें गायिका व सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुनिशा श्रीवास्तवा जी और सुश्री स्मिधना चटर्जी असिस्टेंस प्रोफेसर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी मातृशक्ति ने समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने तथा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या भानुप्रिया जी ने किया, और श्रीमती रश्मि श्रीवास्तवा प्रधानाचार्या सरस्वती बालिका विद्यालय सूर्यकुण्ड, ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अंत में शिक्षुवाटिका संचालिका श्रीमती मीनाक्षी जी ने से उपस्थित सभी का आभार ज्ञापन किया। यह आयोजन नारी शक्ति को सम्मान देने और उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ राजेश सिंह जी सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

सपा बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी की राष्ट्रीय बैठक में 6 दिसंबर के कार्यक्रम की रूपरेखा हुई तैयार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 6 दिसंबर को समाजवादी पार्टी बाबासाहेब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती की अगुवाई में बाबासाहेब आंबेडकर वाहिनी से जुड़े तमाम सारे राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी शामिल हुए इन सभी पदाधिकारी को 6 दिसंबर बाबा साहब अंबेडकर के पर निर्माण दिवस के अवसर पर काव्य कार्यक्रम करने की रूपरेखा तैयार की गई। इस बैठक में मिठाई लाल भारती ने कहा कि 2027 के चुनाव को लेकर के हम लोगों को तैयारी तेज कर देनी है और इसके साथ ही बहुजन समाज पार्टी के मुखिया मायावती जो भाजपा के लिए काम कर रही है उनकी कह गई बातों पर ध्यान न देखकर समाजवादी पार्टी ज्योति उत्तर प्रदेश के मुख्य पार्टी है जो की डेथ खिचड़ी के सम्मान के लिए लगातार लड़ाई लड़ रही है सपा की सरकार बनानी है चंद्रशेखर आजाद को सुरक्षा दी गई वही बहन जी की रैली की संख्या को जिस तरीके से मनुवादी मीडिया ने बढ़ा चढ़ा कर बताया यह समाजवादी पार्टी की लोकप्रियता को काम करने की साजिश है तो सभी लोग मिलकर अखिलेश यादव जी को हाथों को मजबूत करते हुए 2027 के चुनाव में पीडीए कि सरकार बनेगी। बाबा साहब अंबेडकर जी परीनिर्माण दिवस की अवसर पर कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है यह बड़ी जिम्मेदारी अखिलेश यादव जी ने बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी को दिया है जिसको बड़ी संख्या में हजार लोगों को शामिल होना है और बाबासाहेब अंबेडकर जी के प्रत्यय अपना आधार और सम्मान श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इस कार्यक्रम में गौरव रावत विधायक बृजेश रावत विधायक एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तरुण रावत आदि प्रमुख लोग मौजूद रहे।

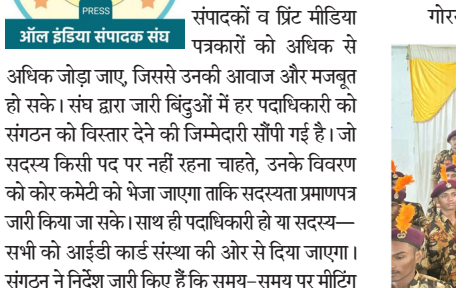

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा– उद्योगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण प्राथमिकता

गोरखपुर। विकास भवन सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में उद्योग बंधु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में स्थापित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्योग बंधुओं की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण किया जाए, ताकि औद्योगिक विकास की रफ्तार और तेज हो सके। बैठक में गीडा सीईओ अनुज मलिक, जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन, मुख्य विकास अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी, एसपी ट्रैफिक राजकुमार पांडेय, सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी और उद्योग बंधु उपस्थित रहे। बैठक के दौरान औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े बिजली, सड़क, सीवरेज, जलापूर्ति, सुरक्षा, परिवहन जैसी सुविधाओं पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योगों से संबंधित सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि किसी भी उद्यमी को अनावश्यक परेशानी न हो। डीएम दीपक मीणा ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि उद्योग जगत से जुड़े लंबित प्रकरणों की समीक्षा नियमित रूप से की जाए और सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि उद्यमियों को समयबद्ध सेवाएं मिलें। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में निवेश के अनुकूल माहौल बनाए रखना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ें और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने उद्योग बंधुओं से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना तथा कई मुद्दों पर मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और उद्योग जगत के बीच बेहतर तालमेल से ही जिले का औद्योगिक विकास नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

यस आई आर में जनता को उलझा कर 35 टन रिजर्व बैंक का सोना चुपके से बेच दिया गया:अरुण कुमार श्रीवास्तव

अरुण कुमार श्रीवास्तव

गोरखपुर। विश्व शांति मिशन के अध्यक्ष एवं भारत बचाओ संविधान बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक अरुण कुमार श्रीवास्तव ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि जनता को एस आई आर में उलझा कर सरकार द्वारा रिजर्व बैंक के रखे गए 35 टन सोने को चुपके से बेच देने की खबरें यूट्यूब पर कई चैनलों द्वारा चलाई जा रही । यह देश के लिए बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे में जनता को जागरूक होने की जरूरत है कि ऐसी खबरें मुख्य मीडिया में क्यों नहीं आती हैं। यह सरकार इतनी सावधानी से छिपाकर कोई भी काम करती है कि जनता को उसका पता ही नहीं चलता है और जनता को फिजूल की बातों में उलझा देती है, जैसे आजकल एस आई आर का मुद्दा उछाल दिया गया है जबकि वास्तविकता यह है कि हर चुनाव के पूर्व वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण होता है यह कोई नई बात नहीं है लेकिन इसको इस तरह से प्रस्तुत किया जा रहा है जैसे बहुत बड़ी चीज हो और खास तौर से घुसपैठिया का मुद्दा उछाल करके अल्पसंख्यकों को डराया जा रहा है क्योंकि जहां जाइए वहीं हर व्यक्ति यस आई आर के बारे में जानकारी मांग रहा है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्य मुद्दों पर जनता का ध्यान ही नहीं जाता है। लोग अपनी रोजी–रोटी में ही उलझे रहते हैं, बेरोजगारी, अशिक्षा और गरीबी पर चर्चा करने के लिए किसी के पास समय ही नहीं है और प्रबुद्ध वर्ग को इससे कुछ लेना–देना नहीं है। देश की आम जनता को इस संबंध में जागरूक होने की जरूरत है।

यातायात माह का शुभारंभ, एडीजी जोन अशोक जैन ने दिखाई हरी झंडी

जनजागरूकता से सुधरेगी ट्रैफिक व्यवस्था, नियमों का पालन ही सुरक्षा की गारंटी : एडीजी जोन

गोरखपुर। पुलिस लाइन परिसर में शुक्रवार को यातायात माह (नवंबर–2025) का शुभारंभ अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) जोन गोरखपुर मुथा अशोक जैन और पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) एस. चनप्पा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कार्यवाहक एसएसपी/एसपी सिटी अभिनव त्यागी, एसपी ट्रैफिक राजकुमार पांडेय, सीओ ट्रैफिक विवेक तिवारी, सीओ कैंट योगेंद्र सिंह, इंस्पेक्टर ट्रैफिक मनोज राय और आरआई हरिशंकर सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी एवं ट्रैफिक जवान मौजूद रहे। एडीजी जोन ने पुलिस लाइन से ट्रैफिक जवानों की मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का उद्देश्य आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाना और सड़क सुरक्षा के महत्व को बताना था। इस मौके पर एडीजी अशोक जैन ने कहा कि सड़कें सभी की सुविधा के लिए बनी हैं, इसलिए हर नागरिक का दायित्व है कि वह ट्रैफिक नियमों का पालन करे और अनुशासनपूर्वक सड़क पर चले। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में सड़कें अब चौड़ी हो चुकी हैं, लेकिन किनारों पर ठेले–खोमचे लगाने से यातायात बाधित होता है। ठेला संचालकों से अपील की गई कि वे अपने ठेले निर्धारित स्थानों पर लगाएं और मुख्य सड़क को बाधित न करें। एडीजी ने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था पुलिस और नागरिकों के सहयोग से ही बेहतर हो सकती है। उन्होंने कहा कि मार्ग दुर्घटनाओं के आंकड़े चिंताजनक हैं, इसलिए ब्लैक स्पॉट की पहचान कर वहां चेतावनी संकेत लगाए जा रहे हैं ताकि वाहन चालक सतर्क रहकर वाहन चलाएं। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम को संयुक्त कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में धुंध (कोहरा) के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, लेकिन इसका मुख्य कारण लापरवाही है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील की कि अपने वाहनों पर रिफ्लेक्टर और कोहरा रोधी लाइट अवश्य लगाएं ताकि दृश्यता बनी रहे और सामने से आने वाले वाहन स्पष्ट रूप से दिखाई दें। एडीजी ने कहा कि तेज गति से वाहन चलाना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के सफर करना दुर्घटनाओं की मुख्य वजह है। अगर नियमों का पालन किया जाए तो सड़क हादसों में होने वाली मौतों को रोका जा सकता है। शहर में चल रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जहां भी सड़क या निर्माण कार्य कराया जा रहा हो, वहां पूर्व सूचना देकर और सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित कर ही कार्य कराया जाए ताकि आमजन को असुविधा न हो। अंत में उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि यातायात माह केवल एक अभियान नहीं बल्कि लोगों में स्थायी जागरूकता पैदा करने का अवसर है। नियमों का पालन करने वाले नागरिक ही न केवल स्वयं सुरक्षित रहते हैं बल्कि दूसरों की भी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

ओबीसी-एससी-एसटी संपादकों व पत्रकारों को जोड़ने पर जोर: ऑल इंडिया संपादक संघ

लखनऊ। ऑल इंडिया संपादक संघ ने संगठन विस्तार और पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा को लेकर अपने पदाधिकारियों व सदस्यों को दिशा–निर्देश जारी किए हैं। संगठन ने साफ कहा है कि ओबीसी, एससी, एसटी वर्ग के संपादकों व प्रिंट मीडिया पत्रकारों को अधिक से अधिक जोड़ा जाए, जिससे उनकी आवाज और मजबूत हो सके। संघ द्वारा जारी बिंदुओं में हर पदाधिकारी को संगठन को विस्तार देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जो सदस्य किसी पद पर नहीं रहना चाहते, उनके विवरण को कोर कमेटी को भेजा जाएगा ताकि सदस्यता प्रमाणपत्र जारी किया जा सके। साथ ही पदाधिकारी हो या सदस्य— सभी को आईडी कार्ड संस्था की ओर से दिया जाएगा। संगठन ने निर्देश जारी किए हैं कि समय–समय पर मीटिंग का आयोजन किया जाए और समस्या आने पर संघ के लेटरपैड का उपयोग कर समाधान के लिए आगे बढ़ा जाए। साथ ही संपादकों की समस्याओं के निवारण और उनकी सुरक्षा के लिए आपस में सूचना साझा करने पर बल दिया गया है। प्रदेश, मंडल और जिला स्तर पर एडवोकेट संपादक को शामिल करने और उन्हें सलाहकार पद पर नियुक्त करने की बात भी शामिल है, जिससे कानूनी मामलों में सहायता मिल सके। संघ ने कहा कि धीरे–धीरे कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे और नियमित मीटिंग के माध्यम से संगठनात्मक मजबूती बढ़ाई जाएगी।

समाज जागरूकता का केंद्र बिंदु है अखंड हिंद फौज : शीतल मिश्रा

गोरखपुर/बांसगांव। अखण्ड हिन्द फौज (AHF) द्वारा आयोजित प्रारम्भिक सैन्य प्रशिक्षण शिविर (ग्रेड–A) बालक वर्ग का द्वितीय दिवस सत्र विद्या देवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बांसगांव में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शीतल मिश्रा, विभाग मंत्री — विश्व हिन्दू परिषद, गोरखपुर ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि अनुराग शुक्ला (सामाजिक कार्यकर्ता एवं NCC "C" सर्टिफिकेट RDC रिटर्न) तथा गौरव सिंह (कार्यवाहक प्राचार्य) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ भारती के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ किया गया। मुख्य अतिथि ने "अनुशासन" विषय पर संबोधन करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को राष्ट्रप्रेम, आत्मविकास और अनुशासनपूर्ण जीवन ही आगे बढ़ाता है। उन्होंने अल्ऋकको समाज जागरूकता का केंद्र बिंदु बताते हुए इसकी पहल की सराहना की। इस सैन्य प्रशिक्षण शिविर में आत्मरक्षा, मार्चिंग, नेतृत्व विकास, शारीरिक प्रशिक्षण व संगठनात्मक कौशल का अभ्यास कराया गया। AHF सीनियर्स — अंश, सीनू, अनमोल, अनूप सहित लगभग 150 कैडेट्स प्रशिक्षण में शामिल रहे।

मृत मानकर दर्ज हुआ दहेज हत्या का केस, विवाहिता ज़िंदा मिली; प्रेमी संग की दूसरी शादी

गाजीपुर। एक माह से लापता विवाहिता ज़िंदा मिल गई, जबकि उसके परिजनों ने उसे मृत मानकर दहेज हत्या का मुकदमा दायर कर दिया था। मामला सादात थाना क्षेत्र के बरहपार गांव का है। पीड़िता की मां राजवंती देवी ने अपनी बेटी रुचि की शादी वर्ष 2023 में हथौड़ा गांव निवासी राजेंद्र कुमार से कराई थी। 3 अक्टूबर को राजवंती देवी ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि रुचि की हत्या कर उसके शव को गायब कर दिया गया है। इस आधार पर सादात पुलिस ने पति सहित छह ससुरालियों पर दहेज हत्या सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। जांच सीओ रामकृष्ण तिवारी को सौंपी गई। सर्विलांस की मदद से रुचि का पता मध्य प्रदेश के ग्वालियर में चला। पुलिस टीम ने वहां से उसे ज़िंदा बरामद किया, जहाँ वह प्रेमी गजेंद्र के साथ दूसरी शादी कर रह रही थी। मीडिया को संबोधित करते हुए सीओ ने बताया कि रुचि का गजेंद्र से पहले से प्रेम संबंध था और शादी उसकी मर्जी के विरुद्ध कराई गई थी। वह विवाह के बाद भी प्रेमी के संपर्क में रही और मौका मिलते ही उसके साथ भागकर शादी कर ली।

Meeting of Indian Press Association Concludes, State and District Office-Bearers Announced

Gorakhpur | The meeting of the Indian Press Association was concluded today at Mahanagar Girls Inter College, Rajendra Nagar. In the meeting, discussions were held on issues related to organizational expansion and strengthening the welfare initiatives for journalists.

During the meeting, responsibilities of the following office-bearers were assigned: Acting State President: Mrs. Rekha Pandey, State Vice Presidents: Mr. Markandeya, Pandey and Mr. Ritesh Srivastava, State General Secretary: Mr. Dharmendra Kumar Srivastava, State Chief Secretary: Mrs. Priyanka Awasthi, State Secretary: Mr. Suresh Kumar Gupta, Gorakhpur District President: Mrs. Deepika Dubey

Among those present in the program were the organization's founder, Mr. Rajesh Kumar Srivastava, and national office-bearers including: National President: Mr. Adarsh Srivastava, National Senior Vice President: Mr. Ajay Kumar Verma, National Vice President: Er. Shakti Shankar Singh, National Organization Minister: Mr. Sanjay Kumar Gupta, National General Secretary: Mr. Krishna Kumar Srivastava, National Chief Secretary: Mr. Arun Kumar Srivastava, National Secretary: Mr. Puneet Bhardwaj, National Treasurer: Mr. Aditya Anchal, National Media In-charge: Mrs. Rekha Pandey, among others.

The meeting emphasized strengthening the organization at the grassroots level and advancing active campaigns to ensure comprehensive protection of journalists' interests.

SP North Jitendra Kumar Srivastava Leaves a Lasting Legacy — Effective Policing Earns Public Trust

Gorakhpur | After nearly two years of commendable service as Superintendent of Police (North), Jitendra Kumar Srivastava has been transferred by the state government to CID Lucknow, associated with UP SIFS. The announcement has sparked widespread discussion across the district, as his tenure is regarded as one of the strongest in terms of crime control and public-friendly policing.

Mr. Srivastava assumed charge on 13 December 2023, and during his term prioritized swift action, sensitivity, and accountability. His proactive approach in reaching crime scenes and ensuring timely breakthroughs significantly strengthened law-and-order. listening attentively to complainants and ensuring prompt redressal.

Under his leadership, several major cases including heinous crimes, cyber fraud, and drug trafficking were successfully cracked. Public safety during major festivals such as Ram Navami, Moharram, and Durga Puja remained exemplary. He also emphasized women's safety by enhancing Anti-Romeo squad activities.

Since the formation of the Northern Zone on 14 June 2017, five SPs have served, but Srivastava is widely recognized as one of the most capable, disciplined, and people-friendly officers. His transfer has raised questions among citizens regarding the state's transfer policy, with many expressing disappointment over the move of a highly efficient officer.

He earned respect for

Responding to the development, Mr. Srivastava stated, "I will continue to fulfill my duty with full sincerity wherever the government assigns me." His impactful tenure has set a benchmark of sensitive and result-oriented policing that residents say will be remembered for years.

Focus on Connecting OBC–SC–ST Editors and Journalists: All India Sampadak Sangh

Lucknow | The All India Sampadak Sangh has issued guidelines to its office-bearers and members regarding organizational expansion and safeguarding the rights of journalists. The association clearly stated that more and more editors and print media journalists belonging to the OBC, SC, and ST communities should be included, so their voices can be strengthened further.

Among the directives issued by the association, every office-bearer has been assigned the responsibility to expand the organization. Members who do not wish to continue holding any post will have their details forwarded to the core committee so that their membership certificates can be issued. Additionally, all office-bearers and members will be provided with identity cards by the institution.

The organization has instructed that meetings be held from time to time, and in the event of any issues, the association's letterhead should be used to move forward with solutions. Emphasis has also been placed on sharing information among members to address problems and ensure the safety of editors.

It has also been proposed to include advocate-editors at the state, division, and district levels and appoint them to advisory positions, so that legal matters can be appropriately handled.

The association added that several important initiatives will be taken gradually and that organizational strength will be enhanced through regular meetings.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।